हरियाणा सरकार इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा के सुचारू संचालन के लिए 1000 कर्मियों की एचकेआरएन से करेगी भर्ती

- **2450 करोड़ की लागत से सिटी बस सेवा का होगा विस्तार, ड्राइवर और रखरखाव को वहन करेगी जेबीएम कंपनी**

सवेरा ब्यूरो

चंडीगढ़, 2 फरवरी : सरकार द्वारा हाल ही में प्रदेश में 09 शहरों में शुरू की गई इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा के सुचारू संचालन के लिए हरियाणा कौशल रोजगार निगम के मार्फत 1000 कर्मचारियों की भर्ती करेगी। हालांकि इन बसों में ड्राइवर जेबीएम कंपनी के साथ हुए करार के तहत कंपनी का होगा और रखरखाव भी कंपनी ही करेगी, लेकिन कंडक्टर हरियाणा परिवहन विभाग का होगा। अभी जिन शहरों में इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा शुरू की गई है, उनमें विभाग के अपने कंडक्टर लगे हुए हैं। मगर जल्द ही इन बसों पर एचकेआरएन के मार्फत भर्ती होने वाले कर्मचारियों को लगाया जाएगा। ये बसें दिनरात चलेंगी। एक दिन में कम से कम 200 किलोमीटर का सफर तय करेंगी। प्रति किलोमीटर 61 रुपये तय किया गया है। बस की सर्विस से होने वाला राजस्व परिवहन विभाग को ही आएगा।

09 शहरों को मिलेंगी 450 बसें, गुरुग्राम-फरीदाबाद में अलग से 100-100 बसें : इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा के तहत सरकार द्वारा गुरुग्राम और फरीदाबाद में 100-100 बसें (09 मीटर) चलाई जाएंगी। इसके अलावा जिन 09 अन्य शहरों में इस सेवा को विस्तार देने की योजना है, उनमें पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, रेवाड़ी, यमुनानगर, करनाल, पानीपत, रोहतक और हिसार शामिल है। जिसके लिए 450 बसें (12 मीटर) की प्रति शहर 50 बसें खरीदी जाएंगी। अत्याधुनिक, वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े के साथ 12 वर्षों से अधिक समय की 2450 करोड़ रुपये की यह परियोजना प्रदूषण रहित पर्यावरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

जेबीएम ऑटो नेशनल इलेक्ट्रिक बस कार्यक्रम के तहत उपलब्ध कराएगी इलेक्ट्रिक बसें : जेबीएम ऑटो हरियाणा में नेशनल इलेक्ट्रिक बस प्रोग्राम के तहत इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराएगी। जिसमें रोजाना प्रदेश के 11 लाख लोग यात्रा करेंगे। जेबीएम हरियाणा में भारी संख्या में यात्रियों को ध्यान में रखते हुए हरित सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बसों के सुगम संचालन के लिए जेबीएम ऑटो ने डिपो में एंड-टू-एंड इलेक्ट्रिक बस इकोसिस्टम स्थापित किया है। जिनमें पावर और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। हाल ही में हरियाणा में सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक बस निर्माण संयंत्र भी स्थापित किया है। जिसमें हर साल 20000 इलेक्ट्रिक बसों का निर्माण किया जा सकता है। जेबीएम इकोलाइफ इलेक्ट्रिक बसें जीरो एमिशन व्हीकल (जेडईवी) यानि उत्सर्जन मुक्त वाहन हैं। ये बसें अगले 10 वर्षों में संचालन के दौरान सीओटू उत्सर्जन में करीब 1000 टन और 420000 लीटर डीजल की बचत करेंगी। बसों में फास्ट चार्जिंग लीथियम-आयन बैटरियों का प्रयोग किया गया है। रियल टाइम पैसेंजर इंफॉरमेशन सिस्टम के चलते बस में सफर करने वाले यात्रियों को बसों की लोकेशन की जानकारी मिलती रहेगी। इन कैमरों की मदद से बसों के भीतर की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी।